

## Ch-3 टोपी शुक्ला

### पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

#### बोध- प्रश्न

##### प्रश्न 1.

**इफ़्फ़न-टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?**

**उत्तर-** इफ़्फ़न 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि टोपी शुक्ला की पहली दोस्ती इफ़्फ़न के साथ ही हुई थी। इफ़्फ़न के बिना टोपी शुक्ला का जीवन अधूरा है। इफ़्फ़न के बिना टोपी की कहानी को समझा नहीं जा सकता। दोनों अलग-अलग मज़हब के होते हुए भी एक-दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हुए हैं।

##### प्रश्न 2.

**इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?**

**उत्तर-** इफ़्फ़न की दादी पीहर इसलिए जाना चाहती थीं क्योंकि वे जमींदार परिवार की बेटा थीं। उनके पीहर में घी, दूध व दही की भरमार थी। उन्होंने शादी से पहले पीहर में खूब दूध-दही खाया था। बाद में वे लखनऊ के मौलवी से ब्याही गई थीं जहाँ उन्हें अपनी मौलवी पति के नियंत्रण में रहना पड़ता था। पीहर जाने पर वे स्वतंत्र अनुभव करती थीं, और लपड़-शपड़ जी भर कर दूध-दही खाती थीं। इसी कारण उनका मन हर समय पीहर जाने को तरसता था।

##### प्रश्न 3.

**इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?**

**उत्तर-** इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी इसलिए नहीं कर पाई, क्योंकि दादी का विवाह एक मौलवी परिवार में हुआ था और मौलवियों में शादी-विवाह के समय जश्न मनाने या गाने-बजाने का रिवाज़ नहीं था।

##### प्रश्न 4.

**'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?**

**उत्तर-** टोपी शुक्ला के घरवाले आधुनिक होने के साथ-साथ कट्टर हिंदू भी थे। 'अम्मी' शब्द मुसलमानों के घर में इस्तेमाल होता है किंतु जब टोपी शुक्ला के मुख से "अम्मी" शब्द सुना गया तब घरवालों के होश उड़ गए। उनकी परंपराओं की दीवार डोलने लगी। उनका धर्म संकट में पड़ गया। सभी की आँखें टोपी के चेहरे पर जम गईं कि उनकी संस्कृति के विपरीत यह शब्द घर में कैसे आ गया। जब टोपी ने बताया कि यह उसने अपने दोस्त इफ़्फ़न के घर से सीखा है तो उसकी माँ व दादी ने उसकी खूब जमकर पिटाई की।

##### प्रश्न 5.

**दस अक्टूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है?**

**उत्तर-** दस अक्टूबर सन् पैंतालीस का वैसे तो कोई भी महत्व नहीं है, लेकिन यह दिन टोपी के जीवन में विशेष स्थान रखता है, क्योंकि इसी तारीख को इफ़्फ़न के पिता को तबादला मुरादाबाद हो गया था। यह तबादला इफ़्फ़न की दादी के देहांत के थोड़े दिनों बाद ही हुआ था। अब टोपी बिल्कुल अकेला हो गया था, क्योंकि इफ़्फ़न के पिता की जगह आने वाले नए कलेक्टर के तीनों बेटों में से किसी ने भी उससे दोस्ती नहीं की थी।

**प्रश्न 6.**

**टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही ?**

**उत्तर-** टोपी की दादी का स्वभाव अच्छा न था। वह हमेशा टोपी को डाँटती-फटकारती थीं व कभी भी उससे प्यार से बात न करती थीं। टोपी की दादी परंपराओं से बँधे होने के कारण कट्टर हिंदू थीं। वे टोपी को इफ्फन के घर जाने से रोकती थीं। दूसरी ओर इफ्फन की दादी बहुत नरम स्वभाव की थीं जो बच्चों पर क्रोध करना नहीं जानती थीं। इसी स्नेह के कारण टोपी इफ्फन से अपनी दादी बदलने की बात करता है। उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी।

**प्रश्न 7.**

**पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?**

**उत्तर-** पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह था। प्यार तो उसे अपने अब्बू, अम्मी, अपनी बाजी तथा छोटी बहन से भी था, पर ये सभी उसे कभी-कभार तो डाँट ही देते थे। दादी ने उसका दिल कभी नहीं दुखाया। वह रात को उसे तरह-तरह की कहानियाँ भी सुनाया करती थी इसलिए वह अपनी दादी से बहुत प्यार करता था।

**प्रश्न 8.**

**इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगा?**

**उत्तर-** इफ्फन की दादी स्नेहमयी थीं। वह टोपी को बहुत दुलार करती थीं। टोपी को भी स्नेह व अपनत्व की जरूरत थी। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था, वह अधिकतर उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था क्योंकि उस घर में वही उसे सबसे अच्छी लगती थीं। दादी के देहांत के बाद टोपी के लिए वहाँ कोई न था। टोपी को वह घर खाली लगने लगा क्योंकि इफ्फन के घर का केवल एक आकर्षण था जो टोपी के लिए खत्म हो चुका था। इसी कारण टोपी को इफ्फन की दादी का देहांत के बाद उसका घर खाली-खाली-सा लगने लगा।

**प्रश्न 9.**

**टोपी और इफ्फन की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे, पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर-** बच्चा कोमल तथा निष्कपट स्वभाव का होता है। उसके लिए मजहब और जाति का कोई महत्व नहीं होता। वह तो इन सब बातों से अनजान होता है। उसे जहाँ भी प्यार और ममता मिलती है, उसी ओर बरबसे आकर्षित हो जाता है इसलिए तो इफ्फन की दादी का स्नेह और ममता टोपी को मजहब और जाति की दीवारों के पार अपनी ओर खींच लेती है और दोनों अनजान होते हुए भी एक अटूट रिश्ते में बँध जाते हैं।

**प्रश्न 10.**

**टोपी नर्वी कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए-**

1. ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फेल होने के क्या कारण थे?
2. एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
3. टोपी की भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए।

### उत्तर-

1. टोपी ज़हीन अर्थात् बहुत तेज़, होशियार व मेहनती लड़का था किंतु फिर भी वह नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया था। इसके दो कारण थे
  - पहले साल तो वह पढ़ ही नहीं पाया क्योंकि घर के सदस्य उससे अपने-अपने काम करवाते थे जिस कारण उसे पढ़ने का समय ही न मिल पाता था।
  - दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया इस कारण वह पास न हो पाया था।
2. एक ही कक्षा में दो बार बैठने से टोपी को निम्नलिखित भावनात्मक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा
  - वह अकेला पड़ गया था क्योंकि उसके दोस्त दसवीं कक्षा में थे और इसमें उसका कोई नया दोस्त नहीं बन पाया।
  - वह शर्म के कारण किसी के साथ अपने दिल की बात न कर पाता था।
  - वह अध्यापकों की हँसी का पात्र होता था क्योंकि कक्षा में आने पर अध्यापक कमज़ोर लड़कों के रूप में उसका उदाहरण देते और उसे अपमानित करते हुए व्यंग्य करते थे।
  - कक्षा के छात्र भी उसका मज़ाक उड़ाते थे।
3. टोपी के भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में कुछ आवश्यक बदलावों की आवश्यकता है। सुझाव इस प्रकार हैं।
  - किसी भी छात्र को एक ही कक्षा में दो बार फेल नहीं करना चाहिए, दूसरी बार उसे अगली कक्षा में बैठा देना चाहिए।
  - छात्र जिस विषय में पास न हो रहा हो, उसे उससे हटा दिया जाए। विषय चुनाव की छूट मिलनी चाहिए।
  - बच्चों को अंकों के आधार पर नहीं अपितु ग्रेड के आधार पर अगली कक्षा में भेज देना चाहिए ताकि वह अपनी । स्थिति पहचान कर मेहनत कर सके।
  - अध्यापकों को कड़ा निर्देश देना चाहिए कि कक्षा में फेल होने वाले छात्रों को अपमानित न कर उनका हौसला बढ़ाते हुए उनकी मदद करें।

### प्रश्न 11.

**इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?**

**उत्तर-** इफ़्फ़न की दादी पूर्वी राज्य की रहने वाली थी, लेकिन वह विवाह के बाद लखनऊ आ गई थीं। विभाजन के समय उनके मायके के लोग भारत में अपना घर छोड़कर कराची (पाकिस्तान) चले गए थे इसलिए दादी का वह घर लावारिस बनकर रह गया था। इसी कारण से दादी के मायके वाले घर पर कस्टोडियन का कब्ज़ा हो गया।